शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक ने 1000 करोड़ रुपये जमाराशि का लक्ष्य हासिल किया

बैंक की 22वी सामान्य निकाय की वार्षिक बैठक सम्पन्न

रविवार, 15 सितंबर, 2019

सहारनपुर: उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े बहुराज्यीय सहकारी बैंक शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक की सामान्य निकाय की वार्षिक बैठक का आयोजन रविवार, 15 सितंबर को हुआ। शिवालिक बैंक के चेयरमैन श्री यशवीर कुमार गुप्ता ने बैंक के विस्तार की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि “बैंक ने हाल ही में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में दस नई शाखाएं खोली हैं, जिससे कुल शाखाओं की संख्या 31 हो गई है। बैंक को दिल्ली और उत्तराखंड के देहरादून और हरिद्वार जिलों में विस्तार करने के लिए आरबीआई की अनुमति भी मिली है। उन्होंने बैंक के 1000 करोड़ रुपये का जमा आधार हासिल करने पर निवेशकों, ग्राहकों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।”

शिवालिक बैंक के एमडी एवं सीईओ, सुवीर कुमार गुप्ता ने भी इस सफलता पे निवेशकों, ग्राहकों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि “हमने वर्ष 2010 तक 100 करोड़ रुपये जमा करने का आंकड़ा हासिल किया था और 1000 करोड़ रुपये से अधिक का लक्ष्य हासिल करने में केवल 8 साल का समय लगा, जो बैंक में निवेशकों और जनता के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है।” सामान्य निकाय की इस बैठक में बैंक के सदस्यों ने 8% लाभांश वितरण पर अपनी मुहर लगायी ।

बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ऐसे सुदूर गांवों में जहां बैंक ने अपनी शाखाएं नहीँ खोली हैं वहां पर भी बैंक के प्रतिनिधि माइक्रो एटीएम जैसी अत्याधुनिक मशीन लेकर जा रहे हैं और "आपका बैंक आपके द्वार" का आदर्श प्रस्तुत करते हुए बैंकिग से नहीं जुड़े व्यक्तिओं के भी खाते खोल रहे हैं व् उनको नकद लेन - देन में सहायता कर रहे हैं ।

इस अवसर पर बैंक के वाइस चेयरमैन शिवपूरन गुलाटी ने सभी अंशधारको का हार्दिक धन्यवाद् दिया । बैंक के निदेशक मंडल, बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव मित्तल एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी हर्ष मित्तल के अलावा गौरव कुमार गुप्ता, क्लस्टर हेड दिव्या सेठी, हिमांशु गर्ग, संदीप रात्रा, सरुल चौधरी, अखिल कुमार गुप्ता एवं अंशु अरोरा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

शिवालिक बैंक - एक परिचय

शिवालिक मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने 5 सितंबर 1998 को सहारनपुर के जिला स्तरीय सहकारी बैंक के रूप में अपनी एक शाखा के साथ बैंकिंग क्षेत्र में कदम रखते हुए अगले ही वर्ष पूर्णतः कंप्यूटरीकृत बैंकिंग का शानदार अनुभव अपने ग्राहकों को देना आरंभ कर दिया था। 2010 में शिवालिक बैंक ने बहुराज्यीय बैंक का दर्ज़ा हासिल करते हुए मध्य प्रदेश के धार जनपद के एक हानि दे रहे कमज़ोर बैंक का अधिग्रहण किया और एक वर्ष में ही उसको लाभ अर्जित करने वाली अपनी शाखा में परिवर्तित किया। इस सफलता से उत्साहित होकर बैंक ने इंदौर के एक और सहकारी बैंक का अधिग्रहण किया और यह शाखा भी निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है। बैंक ने गरीबी की रेखा से नीचे जीवन जीने वाले ग्रामीण परिवारों को 9000 स्वयं सहायता समूहों के साथ जोड़ कर उनको वित्तीय समावेशन का लाभ दिया है। यही कारण है कि शिवालिक बैंक को अत्यन्त सम्मान के साथ देखा जाता है।